THE INSTITUTE FOR ADVANCED STUDIES OF WORLD RELIGIONS

FILM—STRIP NO.
MBB—1971— 37-49

BUDDHIST SANSKRIT MANUSCRIPTS

IASWR

MICROFILM PROJECT MBB III

MBB-1974-37
1. Film strip number

14
2. Source

YOGĀMVARABALISĀDHANA
3. Title

4. Additional titles, shortened forms of title, etc.

N.S. + 880 = A.D.
5. Year in which MS was copied (Nepali Samvat and Christian Era)

6. Name of Scribe

NEPĀLI PAPER
7. Material (Palm leaf, etc.)

NEWĀRI
8. Script

22 cm. x 6 cm.
9. Size

7
10. Lines to a page

21
11. Number of leaves in complete work

12. Missing leaves

13. Author and Date of composition (if given)

14. Number of Chapters

15. Remarks: Some secrete practise of Yogāmvara.

Aug. 28, 1974
Date photographed

द्विघायूस्कामाथ्थ तेजर ऊँ स्वाहा॥ जमानकासे॥ ॐ स्रबवझनी

यर ॐ देवलिग्ट क्षर द्विघायूस्कामाथ्थ तेजर ऊँ स्वाहा॥ जमानकासे॥ ॐ स्रुबवझनी

नाय:ॐ कागाकान स्रजुस्वेअझजादिउद्धस्र्न: प्रुक्षमहालय: स्वदाजुन: याद्रकादिल स्रघना

दि:सिमिस्त्रिदेध: ॐ देवलिग्ट क्षर पंचाम्रनादिसदिनाग्ट क्षर स्रद्भनासयरनानउनानस्वाहा॥

३॥ ॐ॥न मातीकासे॥ ॥ॐ पिणभवि पनसवती:स्र र्वापननासनी:सर्वभागनीवासनी॥स

ब्रिस्य नीनागनी: ॐ स्रुवतीग्ट क्षर सर्बरूपद्भनानीक्षमानयर ऊँ स्वाहा॥ ॥ वक्रम

ना नाघनस॥ ॥रॐ नमोलगवक्र्यवश्रीवम्भमनाथनाः धेवाकुल नमस्ता भसनकनाय

संकासमानवीनागनाय॥ स्रुक्षसि कूस्मवपूधक्षभ्र जौलेविक्ति क्षसर्वेनाय:ॐ देवलिग्ट क्षर

ह्रां ग। ह्रूँ ह्रौं क्लींल्वं रसर्व्वसत्वः वस्य कनी। सर्व्वकानी कनाति। ऐं वनानीभसि ऽ। ओयि। ह्रं ओं ल्लं। सि
लसिक्षनीनी। ह्रें ह्रदल्यः। कोतिः। ह्रें दवसी। पूष्पं धूपं। दिपं। वाऊं। ह्रदनाम्यहेः सर्व्वयवः यऊ गं ध्वंबी
शुयग्रा सूऊ किं स्नं नः मह्रान गमदयाऊ। थींव २ ल्वऊ यपिर्व्वथः। स्वादयजिह्वधममममनः। सिद्धिपर्य
ह्र्‌क्ष ऊँ ह्रां ह्रूँ स्‌ स्वाहा॥ न्द्र रक नासे॥ नर्कं म्स क्रनाय। नर्कं ऊनाय नर्कं रवाय। नर्कं स नीनायक्ष
नर्कं लजायः नर्कं हा नावनिरवायक्ष॥ नर्कं तथसमा मूक्षय। नर्कं लननवी लषिनासः ह्रें दंव
सींग्ट क्रा २ ममग्राथनक्षह्रन २ वऊमानानी वा नयय २ ता गम २ छिन्द्र २ भिन्द्र २ नासय २ नाप २
सरव २ ह्रूं दय २ ह्र दया २ ह्रूँ स्‌ स्वाहा॥ ऊनिनिनासद्रया॥ ऊँ ह्रं ह्रिं क्षवीजयाय। स्टउ जय २ नाग

कादमखा ना ना ल द न लषनी मलल ऊ वीदपा ॥ रा श्रवनल आर्याः र क्री र क क्षन
नीःम हि षासि नेसंहिता ॥ ॥ लोला ॥ पूध्य यास ॥ ॥ ॐ र र वा नाह्निय नमस्वाहा ॥
ॐ वी ऊयय ऊ मफ वज्र देय वायनमस्वाहा ॥ ॐ कानन्नूपनीयः नमस्वोहा ॥ ॐ मयिवासनीयन
मस्वाहा ॥ ॐ पंक्ष श्यायाजी या द ह्या निथियनमस्वाहा ॥ ॐ द्द प्रनिवा नस यनमस्वाहा ॥ कनी
कनाग नाजायनमस्वाहा ॥ सून द्द ऊायनमस्वाहा ॥ ऊका द्द ऊ ऊायनमस्वाहा ॥ किनीं कनस
मस्वा नायमीन नाथाय नमस्वाहा ॥ वंद्धा द्दहु ॥ ॐ द्दृजी न वा नाह्नि य का ॥ नकार वीजसल्वा
स्वा यू क्ष्मा नी द्दूपाऊव नमस्कृ महि षासनी ॥ वीति ॥ ॐ क्रीं नील जिन्मकस कासंधा नद्दूकलया

मामा ह्रु ॥ ॐ ये पिशाः वीक्षु वी स्यामां न का न वी जसंरं वा स्वायूक्ष्म वीद्व पाउं व नम स्पेग न्नुउ वा

नी ४ ॥ ॥ ॐ क्लिं श्रीं नी सं क्षिः म्लउ सं कास घान हू क्ष रेया वे ह ऊर्ध्व कैश विद्व पाउ उत्तमा नाय ४

ह्रह्द न ः ॥ हि हि व यि पति ग्र का र ह न र द ह र पं क्ष र स्त र स्वा क्रि र ल ग र विघ्न रे न व स्तू पनः

वलि पति ग्र का र क्लूं स्न स्वाहा ॥ ३ ॥ द ऊँ न सं कि न च ॥ ॥ ॐ पञ्च पासं पूजा यां व ४ नर्क

पूर्न्स्मव पाउं श्रीं ४ ॥ का नास्या वा ह्य य व वीः ध्यान पूर्णं नमः स्तुहु ह्ल ॥ ॥ ध्यान ॥ ॥ ॐ क्लिं श्रीं क्लु

ह्र को ना यि वी घ्रासाय ४ क्लूं स्न स्वाहा ॥ ॥ ॐ द जी य वा नाहि ल्तु नाकः रेवतन र सिंघ्रीं

क्लूं स्न स्वाहा ॥ ध्यान ॥ वा नाहिः नर्क व क्ष ४ ॥ हे मवर्द्द नाः उक म्रू पाउ नी स्वेता स्तू ल ग

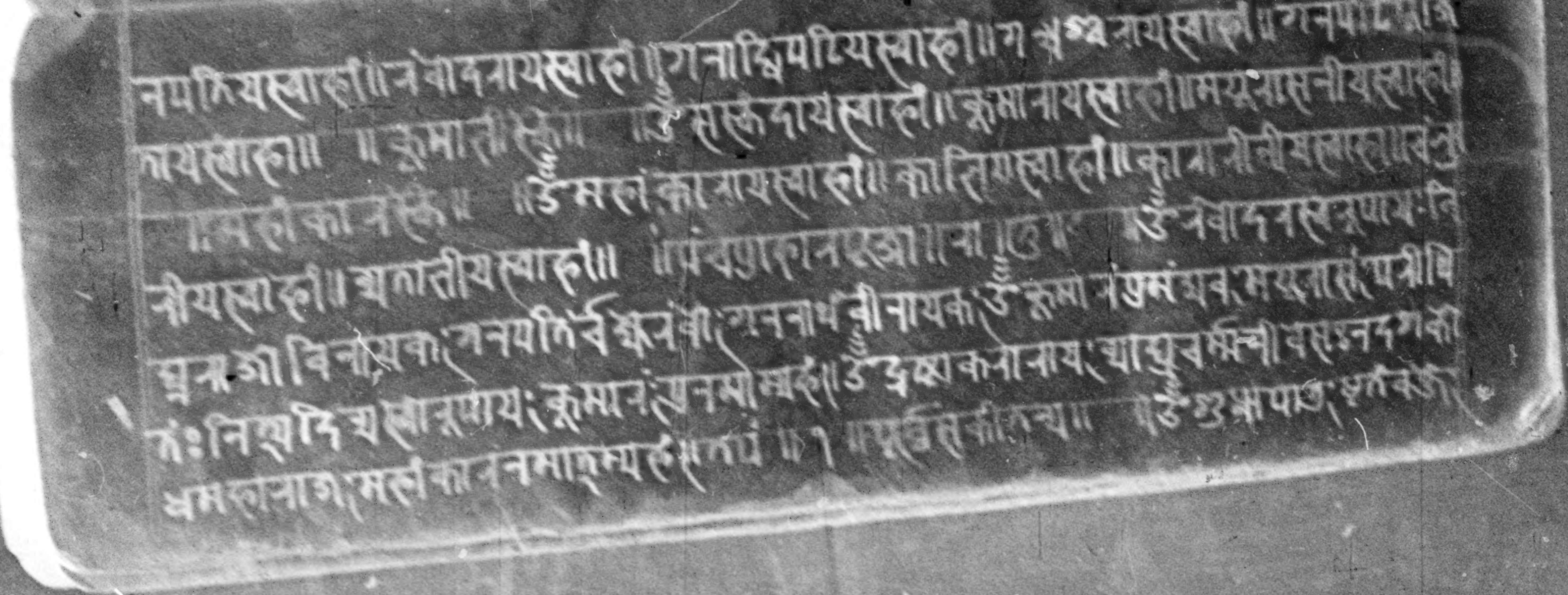

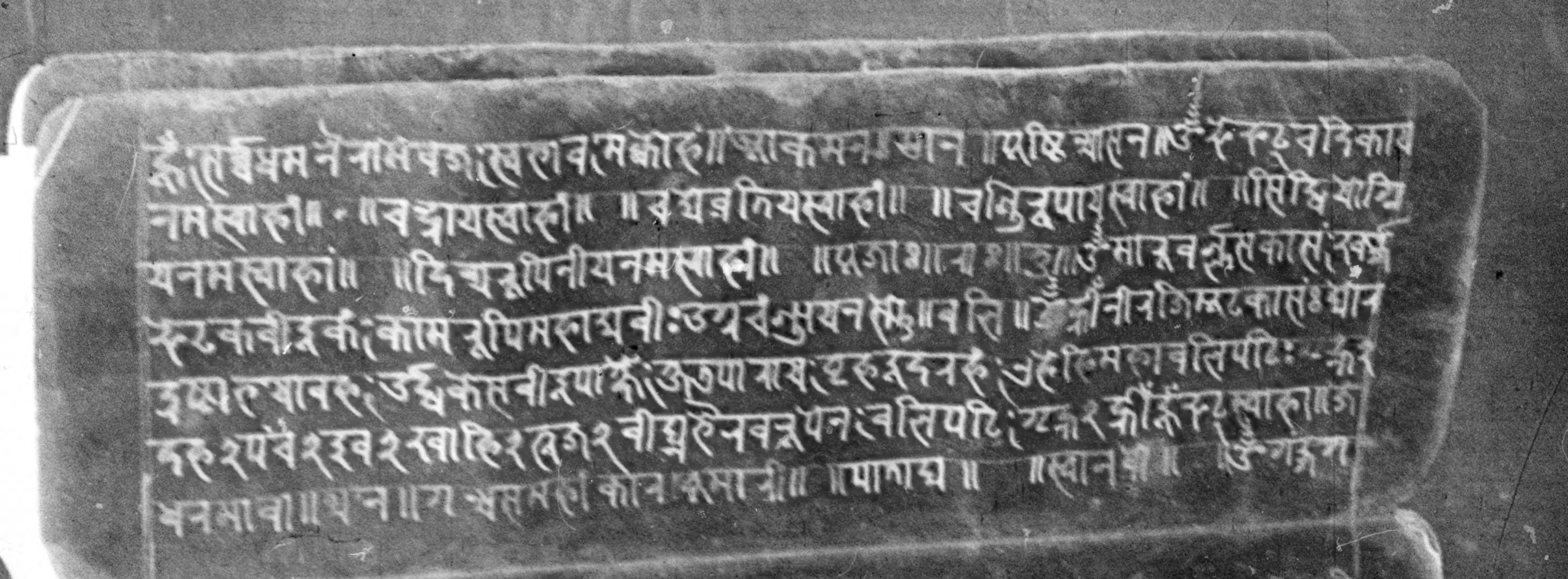

ऊँ उग्रयानाय हृदह दवंत्तौ हैं हिमहावतीप तिग्टक्का २ हुन २ दह २ पंच २ स्व २ स्वाहि २ लेज २ वी

घुरे हे यववसू पंन वतीप तिग्टक्का २ हैं फट् स्वाहा॥ ॐ ॥ थनगनस्रकी कीनन॥ वति॥ ॥ ॐ वी

घ्रार्न्के हनमहा॥ क्षीँ क्षामहावत्त रुदाक्रमी: दंवत्ति ग्टक्का २ स्व २ स्वाहि २ सर्वग ऊँनासा दिनें

गिछ्र २ वंर्ध्र २ हुन २ ग्टक्का २ सर्वधवी घ्रान॥ छे २ २ ए३ २ फुट २ दह २ पंच २ मपर २ ॐ आग्र विघ्रा

नक्का हूं फट् स्वाहा॥ महका नसे॥ ॐ महाकानाय ४ सानाय काली स्थ॥ ध्रुयवीमकी नायं पं ॐ २

मृत्युउग्यारुपकानीन ४ यमितुकिह्म समत्तसि ४ हूं २ दंवत्ति ग्टक्का २ स्व २ स्वाहि २ सर्वद्रछ सत्ता नीय

मानय २ छे दय २ ग्टक्का २ वंध २ हुन २ दह २ पंच २ महा कानाय हूं फट् स्वाहा॥ दप्रनासे॥ ॐ

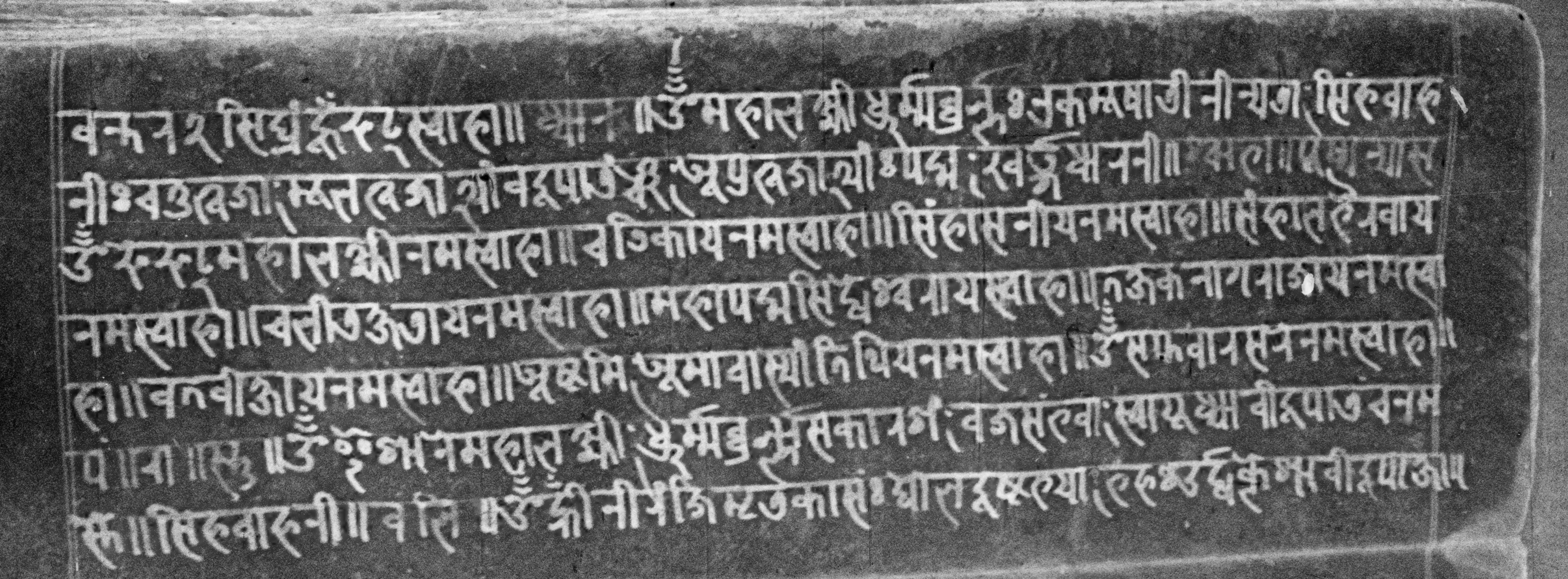

हा ॥ ख्रूप ॥ ॐ ८ विष्क्र विंशकः ॥ प्रवनत शसिघ्रू क्रूनर्कं स्रू स्वाहा ॥ क्ष न ॥ वीक्रू विस्याम
वतां नां प्रकाभ्रधतीनीं श्रजा ख्रउलजाग्यां यदिथ न्रूपिनी ॥ दिघोल तनन्द्र ख्वनिधाम्रूनल गाथा
वाह्रूपाउं ॥ ख्रूय लुजाग्याद्र्यन ॥ गदावक्रू वः क्षतनी ॥ गन्हूजासनसंहिता ॥ ॥ साराष्ठ ॥
प्रूधा यास ॥ ॥ ॐ स्रू स्रू ट ः वीक्रू वीयनमस्वाहा ॥ खउथिः धादत्यां ः क्षीथियनमः स्वाहा ॥ वृद्धि
वासू यनमस्वाहा ॥ दिघन्रूपिनीयनमस्वाहा ॥ गन्हूदासनीयनमस्वाहा ॥ ख्रूनर्कं नाम नाजा
यनमस्वाहा ॥ वीना [illegible] नकोनमस्वाहा ॥ वीरकोधवं न्रुं ऐंनवायनमस्वाहा ॥ जनिऊजायनमस्वा
हा ॥ प्रकोतिवृआयनमस्वाहा ॥ घीनाधकः स्मस्वानायनमस्वाहा ॥ स्रुद्रूपायनमस्वाहा ॥ प

ॐ

नाजायनमस्वाहा॥कजत्तवीजायनमस्वाहा॥ध्वनमवर[illegible]यनमस्वाहा॥मयूनागनीयन
मस्वाहा॥ह्रीं[illegible]यः[illegible]तावसिनिथियःनमस्वाहा॥छूंगवास[illegible]मस्वाहा॥[illegible]ना॥[illegible]ॐ छू
त्य नन कासः क्रौं[illegible] सीतक्रौंवनवकानवीजसंरवा॥स्वायूक्ष्मनीहूपाउंवध्नम[illegible]सूननार
नी॥वरि[illegible]॥ॐ ह्रीं क्रौं ननजिःमित्रसंकासःधानहूक्ष्लया[illegible]॥ऊर्द्ध्व क्रौं[illegible] वीहूपाउं[illegible]मना॥
यःध्रहूनयहिःनत्तिपत्तिः[illegible]कार२हून२[illegible]२पंव२स्व२स्वाहि२लेज२विघ्र[illegible]नवहूपन४
वत्तिपडिः[illegible]कार२[illegible]स्वाहा॥ऊ॥नैन[illegible]स[illegible]॥[illegible]ववक्रौं[illegible]निद्रं॥पक्षपत्र[illegible]
हूः वीक्रु[illegible]वाह[illegible]यवीःक्ष्मानपर्श्वनमोस्तु[illegible]॥पान॥ॐ ह्रीं श्रीं जयंनीवीञ्वालाय॥क्रौं[illegible]

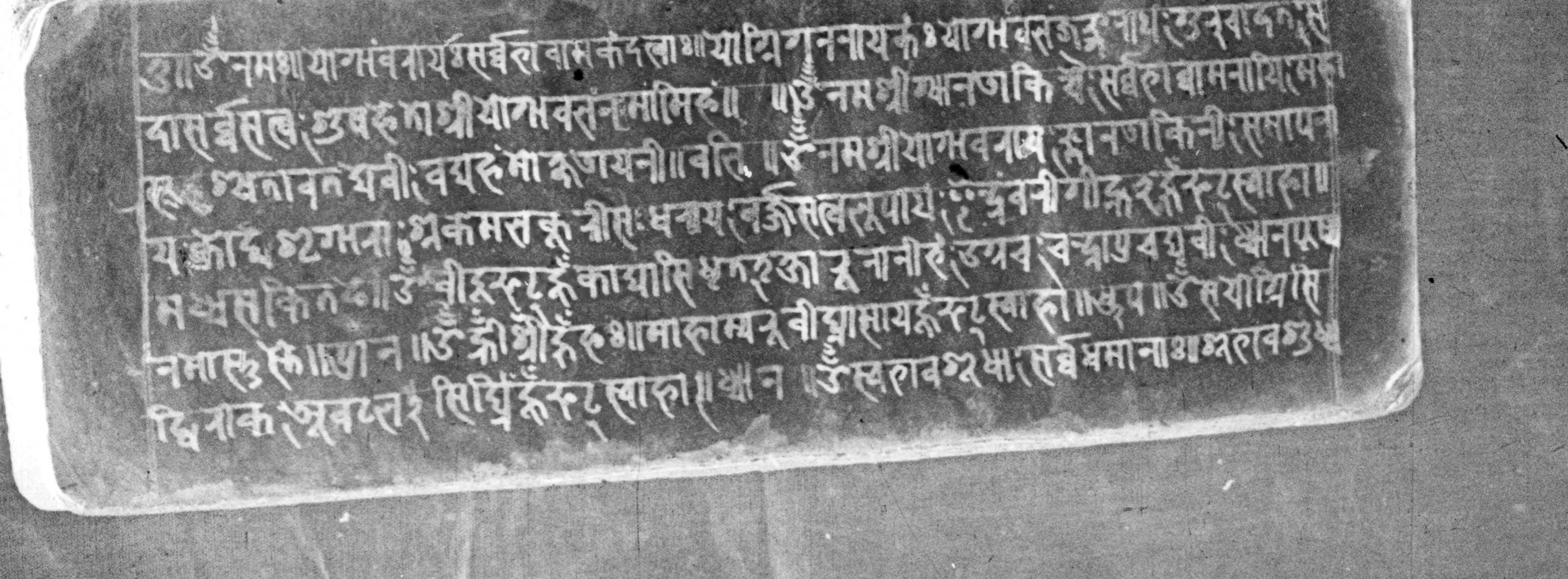

ॐ नमश्री भगवते लोकनाथाय॥ गुरु मंदनमा॥ दिवनी॥ जाप॥ ॐ ह्रौं ह्रौं स्वाहा॥ जापमंत्र॥ ध्यान॥ कि
ञ्च योगाभव नाथ मम॥ क्षस्वजाग्नि गम नाथ श्री मच्छ तृवलजा। वीतरागनाथ नम॥ समपुरुष॥ श्री रु ह
मिर्जु श्री धर्म गमनतजिर सम वीन्यास उर्ध्व भन। द्विलियन कृबर ः कित्रीयवृ सद्गुर्ज नाम्य
उर्ध्व भन्, धर्त कपालंउ द्विरयन यंस्मनाद श्री जीयकं सर्व सिकात गपदनः पद्म स्थारु नीमात
न ॐ श्रीमन्तु श्री रयागभवनक्षा यक्षनीहग कुनकसू आपायावमनउणिकस्वाहा॥ ॐ या
गभवनाय स्वाहा॥ ॐ स्थान दाकी नीयस्वाहा॥ ॐ लवज्र दाकिनीयस्वाहा॥ ॐ हूं हूं
धानज किनीय स्वाहा॥ ह्रूं वज्रा वज्रा किनीयस्वाहा॥ स्मं तिपिनीयस्वाहा॥ पंपी॥ वाम

श्रीगुपालविजय

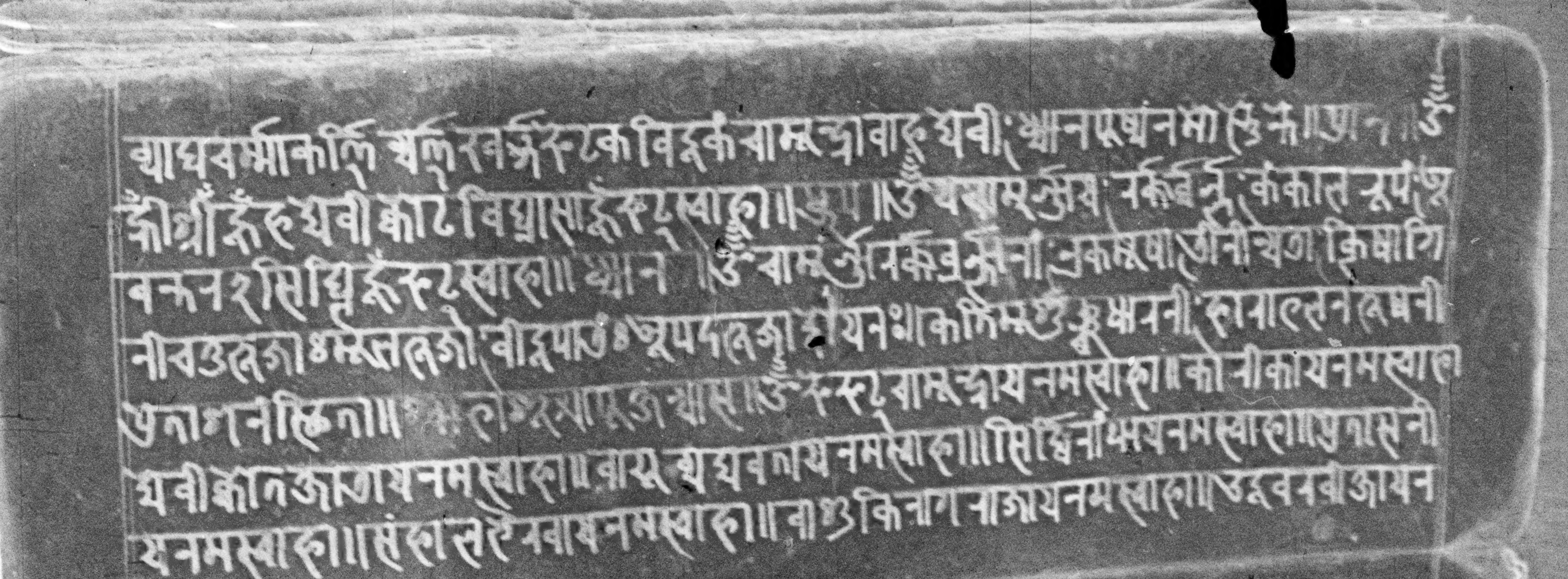

उपानाय: हृदङ्द्रतां ह्रीं ह्रीं महावतीपाटि स्फ्कार २ छन २ पंच २ हुन २ स्वाहा २ दंज २ ध्रि छेनवद्रपन
वनिग्रनि स्फ्कार २ हूं फट् स्वाहा ॥ ऊं ॥ २ ॥ ष्पा निमूऊ नत्य ॥ ऊं वीद्रकामसिकि हलें कें क्ष म्रजयानि
ऊयमानीन: कामात्या वाह्नी य वी: ध्यान पद्यांनमस्तु ध्यान ॥ ऊं क्रीं श्रीं क्लीं ह्रद्र ट हातवीश्य
साय हूं फट् स्वाहा ॥ ॥ ऊं वक्रामानी उमानाकश ॥ जूनर २ सिध्र हूं फट् स्वाहा ॥ ध्यान ॥ कौ
माली: नर्कौव नृं ठकमहषा: तीनी षगा वउलगामहाघवी: हानाह्नमेमहलषिका: स्मतत्त श
वीद्रपाउं ज्ञापनदेगाद्धयन: सकिकर्लि वक्षनीना: सयूद्यासनी हुका ॥ स्वा ॥ रा सा ॥ ॥ पू
ऊ न्याहं ॥ ॥ ऊं ह्रं ह्रं वक्रामानी येनमस्वाहा ॥ तालवन्द्र ऐ नवायनमस्वाहा ॥ पद्मनाग

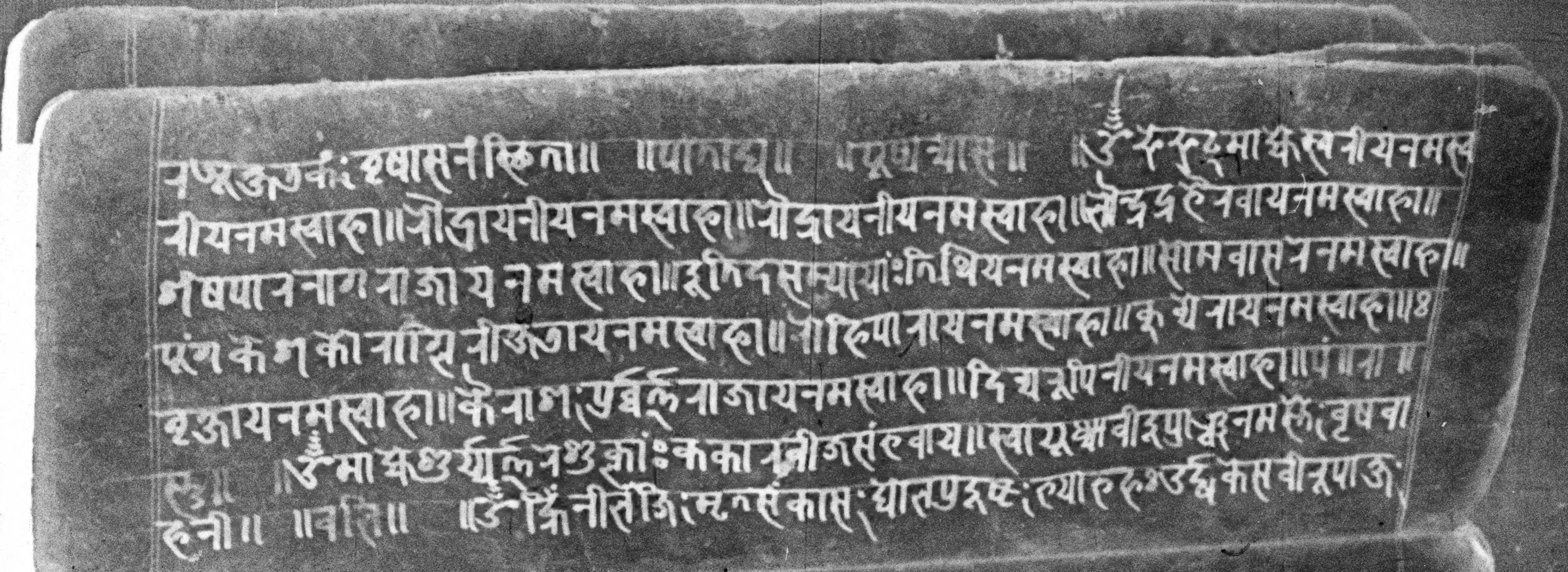

स्य नमस्वाहा॥ ॐ ह्रूं सक्रियनमस्वाहा॥ ॐ ह्रूं धानवं ह्रूं हेनेवायनमस्वाहा॥ ... ॐ
स्य नमस्वाहा॥ वीकिनूप [illegible] नमस्वाहा॥ ... मिव ... ह
यनमस्वाहा॥ ॐ क्रीं ... नागनाजायनमस्वाहा॥ [illegible] यनमस्वाहा॥ ... क्रीं ... र
यानिथियनमस्वाहा॥ ॐ गुरुवालसतनमस्वाहा॥ [illegible] ...
समस्वानाय ... नाथयनमस्वाहा॥ ... ॐ पश्चिम ... [illegible] ... पकासवी ॐ
रवाः स्वायू ... वीरपूजा ... नमस्कि ... गजवाहनी ... ॐ क्रीं नित [illegible] कासे ... धान ...
यावह॥ ॐ ... कसवीरपाजा॥ ॐ ... नाय ... [illegible] ... रुपव ...
स्वाहि ... रवीग्रहे नवरूपना॥ ... ह ... स्वाहा॥ ॐ [illegible] ...

वद्‌उर्द्ध्वक्रंग विद्यापाऊ शाउगपानाय हृद्दस उक्लिविनिर्णति ग्कारहन रद्रपवर

स्तर रेवाङ्गिरदजर विघ्न्रेनव नूपनः वसिप्रणि ग्कारहं दस्वाहा ॥ न ॥ ऊ ॥ पांकेमसाक

न्‍द्य ॥ ऊँ मादपुनाऊ श्रुतंव वीनूपानाम्र नदच हृं दा चोवो लयहुंदवीः श्रानपक्षनमास्तु

पान ॥ ऊँ क्रीं ग्रीं हूं द्रवा नानस्यां विघ्नासाय हूं हृं स्वाहा ॥ ॥ ऊँ म हन्द्र हन ताक भुवन

तर सिद्धि हूं द्रद स्वाहा ॥ ध्यान ॥ ऊँ हृं ऊायनी क्लं क्रमर्ब ग्ली ॥ उकम्हषा ती नी यता वउ

नदजामहाथवोः सर्वालत न दपनीः म्हसदजा विद्वाती ॥ नूपनदजाद्वयन खड्ग घंनुरव

श्चालो नी थगजासनं श्लीनाः ॥ ध्यानलम्भस्पूक्ष्म न्यास ॥ ऊँ हृ हृं ऊायनीयनमस्वाहा ॥ विवाउ ॥

प्राजायस्नमस्वाहा॥ पपं॥ना॥ॐ॥ ॥ॐ पूर्वब्रह्मायनी पिता: ब्रूकान वीगसं रवा: स्वा: स्वक्षा

वीहूयायं वः नमस्तु हंसवाहिनी॥ ॥विति॥ ॥ॐ ब्रूकान वीगसं: जोन: पूर्वब्रह्मायनी गं: मन

आयनी वानस्य: सां नी पूष्टि कूनू: ॐ दं विति: स्व २ स्वाहि २ ब्रह्मायनी यद्धं कूं: स्वाहा॥ २॥ ॥ॐ

नसनीकूयो॥ ॥ॐ महब्रनीं: कापानंवः तपयनमस्तदिदिमं॥ नूजा यावाहयघवा: ध्यान

पखधंनमस्तु॥ ॥ध्यान॥ ॥ॐ क्लीं ग्रीं कूं ह्कानायिय नीघ्निनासाय द्धं कूं स्वाहा॥ ॥ध्यान॥ ॥ॐ

कानाब्रायनी नाक: ब्रूवनतश्री सिद्धं कूं: स्वाहा॥ ॥ध्यान॥ ॥ॐ माधस्व नीस्यफब्रनू: स्वकमस्यप:

तिनी ब्रूता: वउलगामहायवी सर्वारमनलखनी: स्नलगावीरूपाकं ध्वा: ब्रूपतगद्धयना॥जी

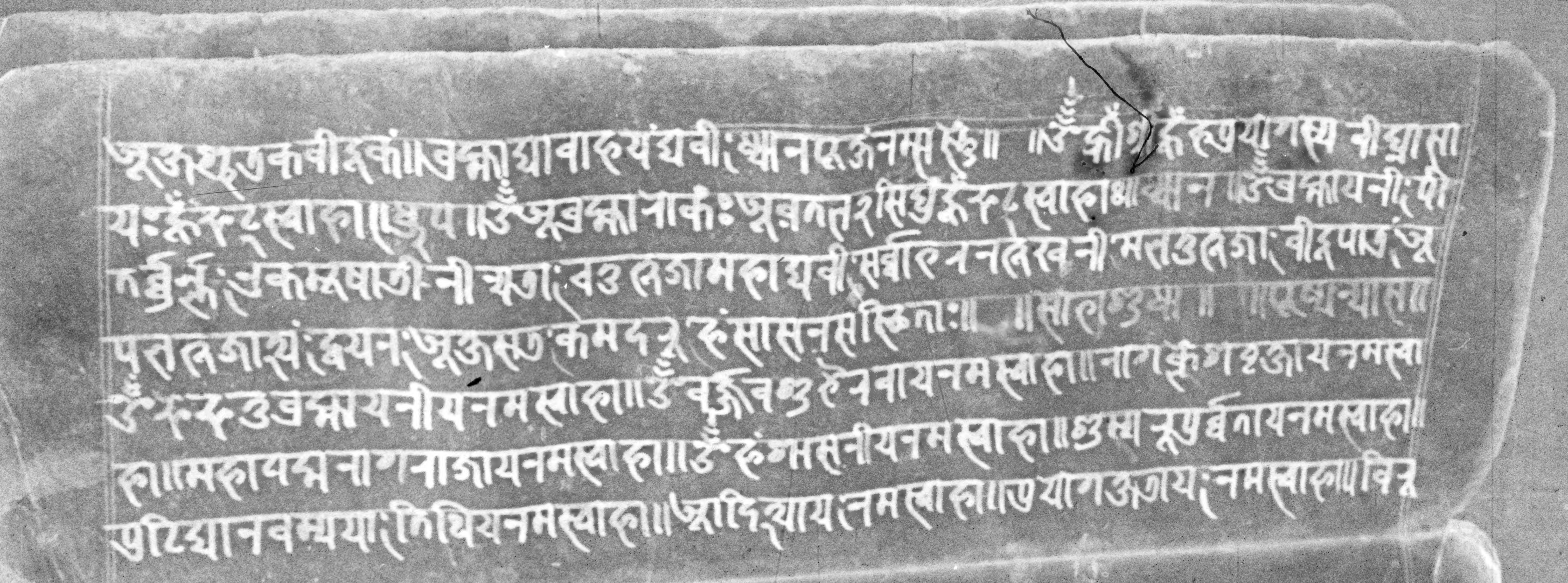

ममसर्व्वविघ्नात्कन २ वतुमानाय नीवानय यक्ष २ जासय २ लाम २ क्लिन्द २ छिन्द २ सर्व्वदुष्टसत्वान्न

नम॥ र्द्धिविन्क्र कालेस्मि कूल्त्वं हूँ र २ स्वाहा॥ ॥पूर्व्वे स॥ ॥ॐ श्रिनाक्षेमहानागा शाकपा

नामहर्षिकाय ध्रुवासगनासार्द्ध गभ किकूनू ॰ हागना जजमानस्यकं पायर्थ दवती न्ट

काउलगउपीवउ॥ हफि निदवकर्म्मिस्त सां कूनूहूँ र २ स्वाहा॥ ॥दक्षिणे॥ ॥ॐ विनूधक्का

महानागा॥ शाकपाया महर्षिका १ कूमहं सुसगनासार्धं गभकिंकूनू ॰ हागनः जजमानस्य १

नूकपुयर्थं ॰ दवती न्टकाउ लगउपिव उलिफि निदः जर्म्मिस्त कू नूहूँ र २ स्वाहा॥ ॥पश्चिमे

स॥ ॥ॐ वनूपाजामहानागा शाकपा नामहर्षिका जगभगगसुसार्द्धसोकि क्वाट ॰ हागया

ग, जजमानस्य ४ नूकोपायर्थ ॥ हूं देवतिग्द क्रउ लेजउ हूं फिमिर्द, बज्रमद्र नक्रू नू द्दद्द स्वाहा ॥ ४
उत्तेनस ॥ ॥ॐ क्रौ देवा श्रीमहानागराजोकपानामहृधिका, जगमसेग नाशाय ॥ सांक्रि कू नू हूं हा
गनजजमानस्य ४ नूकोपायर्थ, हूं देवसि, ग्द क्रउ ४ लेजउ, पिवउ क्रौ फिमिर्द व, कामद्रतं क्रो रद्द
द्दद्दस्वाहा ॥ ॥ गुरुमातीका दिनस ॥ ॥ॐ नमो भगवते, गुरुमातिकाय ४ सर्व्व गुरुनजउर
य, नाशनि ॥ सर्व्व यव नागः जजादि, त्यनागनी, राजा बाबा दिति गुरुमातीका, सर्व्वनजउतादि
ति ॥ श्री खजायक्र २ हूं देवसि ग्द क्रौ २ मर्म्म विध्वाहन २ ग्राक्रि कू द्रप्य फि क्र रत, नजा क्लनूक्रं द्दद्द स्वा
हा ॥ ॥ दधनी नास ॥ ॥ॐ जमिनकाय ४ पसहि धनाय, क्रौं विकाल्तानन नाय नागभर्त्तनाय

जूष्रु रे तवस रू क्री श्रजूष्ठमाजीकानमस्तुस्ता ॥ ॥ॐ नमः श्री वज्रिकायै ॥ ॐ ॐ ॐ उग्रववज्र

ववजीनवजी ॐ श्रवंव नाद्वनॐ ॥ हूँ हूँ हूँ कान नूपं ॥ परहंसिनवर्ज्ञः स्ववज्र पासधतत्रं ॥ ॥ ॐ ॐ ॐ

उपानीः दम नूजी ॥ मिमा जीजीमात्त हमस्तु ॥ हं हं हं ल मिनॐ जयतु विजउः सिद्धि वज्र नमस्तु ॥

॥ घं घं घं घा नत्स्वपं ; घू घू घू नीन घू नीनं ; घ घ दिनाद ध्वी धं ; क्रिं क्रिं क्रिं प्रस नूपं ; जीदवन

धीसिनः ॐ वनॐ उपा ॐ ॥ हं हं हं ल न नाथं ; सकलॐ नक्रिन ॥ नस्यद हपिध्रमवी ॥ हूँ हूँ हूँ का

तना दे सकन हयहन ; सिद्धि वज्र नमस्तु स्तु ॥ २ ॥ वं वं वं श्राम धान ; हमनित वननाा ॥ स्त्रफया ॥

नासनाले ॥ ॐ ॐ ॐ कान नूपं ; धकानि न धकित्र भनस्यह स्तुजीसत्त ॥ हूँ हूँ क हूँ उग्र नूपं हम

तिवव नीर्गः तस्य ध्यवस्वा नूपं भैंभींभींभं नुसिर्द्धिश्रसकत न ल्यय स्तीः सिद्धिवद्धै नमस्तु स्तुमश्र
भैंभैंभैंकाल नूपं भमकिभमैभमा॥ भपमा यारस्मर्भ ि ४ कींकींकीं काल श्वातीः ध्रं स्वतिगरघ
तीर्गः धुं ध्रूमा नी क्रूमा यीः ध्रूं ध्रूं ध्रूं ध्रूंमर्भत्रं न्द्रं॥ लयवनिलवनना स्कासपासा उ्जी स्ततं ऊं ऊं
जी नूपं भमरुयरत्नः सिद्धिवद्धं नमस्तुस्ती॥ ४॥ यैंयैं यैंनाय नूर्जुं ध्रूं ध्रूं ध्रि नस्ती ऊीर्गः श्रद्धिये
ऊिक्का क नाती॥ ऊुंऊुंऊुं नस्नूपं गसमय वीऊयसी॥ स्वरु क्रु नीत्करु॥ सत्यमल पीकि ऊाना॥ ऊयय
वीऊयऊ॥ श्रीजी सहान का नीश्रा॥ हिं क्लौं क्लीं कालनादश्रा लयवनित्रुवऊं॥ सिद्धिवद्धं नमस्तुस्ती
ऊ॥ क्लूं का नतूपि॥ नतऊ सिनम्नख॥ सान्द्रवा ज्ञानीऊि क्लाक्लूं का नीधा वनाद श्रपणपर्यसितासि

[illegible]

श्रेयो क्ष विमस नु ह स्फाय॥ सर्व्वमान र्वविनासाय॥ ह्रं वलिं ग्र कार ममसर्व्ववीघ्नाः हून र्व उन
नीवानय ह्रैं र्रः स्वाहा॥ ॥ न्स ह्रं श्रानाव तिस॥ ॥ॐ ह्रां ह्रूं नागकानायि वज्र र्य्यमा
सत॥ वर्ध्व हरस्पा ति॥ गुरुः भनिश्व संनाद्ध ह्रौ उ जमादि सप्र दिवात ल्या घवनाग गऊ
नधृवा उतस नर ह्रं किर महानम दि ल्याः ह्रं दवलि ग्र कार ह्रौं स्वाहा॥ ॥ स्वानवा
॥ॐ ह्रं द्राय नियनम॥ क्रीं ॐ मायनम॥ ह्रूं वरु नायनम॥ ॐ ह्रूं यनायनम॥ ह्रौं ह्रं अनायनम
नं स्र्यायनम ॐ नैरत्यायनम॥ वंवायव्यनम॥ ह्रूं वं ज्ञायनम ह्रूं सूर्य्यायनम॥ ह्रूं ह्रं क्षयय
नम॥ वंवं धनायनम॥ स्र वम किरीयनम स्वाहा सर्व्वलन त्योनम॥ ह्रं हां ह्रिं ह्रिं ह्रैं ह्रौं सः

स्वाहा॥ ॥पंचनामरुद्रा॥ ॥ॐ द्रादयामहानाजा॥ ॥सम्भूवक्कायः भनाः स्वयम्पूजा॥ कान

सा लायना॥ ॥ॐ नमश्रीश्ववजसलाय॥ दवास्थनाः सर्वत्तिग॥ सिक्षा॥ स्फाजासंपूनागः कनपूनाव

गंधुश्वीसिद्धीः ट्टदजाक्रिनव॥ यकेद्रपितेमाः निवसंकि दिधाः नमष्टजानः प्रिथिविननदः क्षेन

ऊनि विक्षागनपजाम्हनास्नु॥ संपूतदालिसरूदृद्वसंप्रिन्तः सतायिलास्नु॥ ष्णनुयलार्थ॥ यमन

पिमनीवसंकि॥ दत्वायनंश्वयवयवः स्वनानयक्षः यवादयाल्कियित्तिः मन्नुीस्यक्षः नगनक्षः सर्वस्प्या॥

यनसांकि सनीस्व सर्वाक्षवः सम्पषललानय॥ वापिकूनाध्विवासाः वापिनजानवक्षव पत्नक्षः क्र

प्याक्षः वक्षक्षवः नीनलाक्षः यग्भमधाधः स्वकाननक्षः ज्ञ्यानयदव ग्रः क्षषवः नीलालवेर्या॥

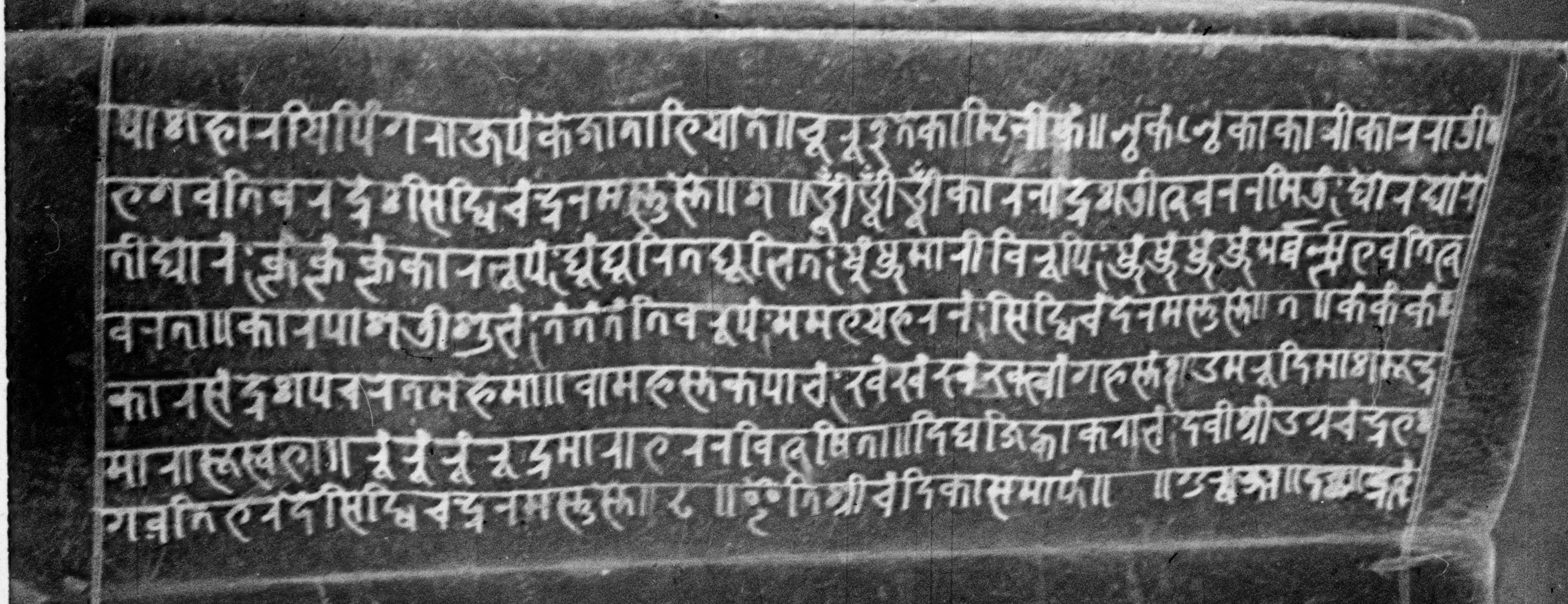

ऊँ भावना॥ ह्रूं ॥ ॥ [illegible] कवतिया विद्या॥ ॥ ... मेनुप॥ दंउ नि॥ आपघड्डपा॥ प्र
आ॥ ठंहिलु ॥ ऊँ ह्रां ह्रौं सर्वयऊंः नाऊंस मा॥ [illegible] पिंगअवतमोद मा॥ दा कदा किं चा [illegible] पाय॥
सर्वविघ्नप्रशमनाय धी॥ ॰॰ मंववति ७८ क्षौं र र ख र र [illegible] हि र गिफ र वं धं र ल न र द ह ३ यं ह्रूं र द्धं धितम
तस्यामासदिः॰ सर्वापूकानन सहि ति ॰॰ दंउ क्षि ने वसय पहाय द र शम ह व ग्यं तं ष्ठ्रा ह्रांपय
लिख्या लाप ॥ ॥ ह्रूं वा ह्रौं गम घ्माय ॥ ॥ [illegible] ॥ ॥ ष्ट्रां म्श्रादि क्रूं कांकार्दनकार्ड ह्रूं ह्रौं
ट॥ पन [illegible] ॥ ॥ ऊँ ववर्वंघनवंचन ह्रौं र ह॥ ॥ [illegible] ॥ ॥ ऊँ स्व न र वं धुं न ह्रूं ह्रौं र हु
[illegible] ॥ ॥ ऊँ यैं घधाट यधाट्य ॰॰ दकार्यं गमघया॥ दानपुष्याः॥ सर्वविघ्नप्रशमनाय धी॥

॥ आवाहनमन्त्रः ॥ ॥ ॐ ह्रूं हूं वैष्णवीये नमस्वाहा ॥ ॥ [illegible]नमन्त्रः ॥ ॥ ॐ ह्रीं विनवौंसु

स्वाहा ॥ हैये नवेद्यमन्त्रं ॥ ॥ वीणा विस्मयमवदना वक्रहस्ता स्मनाद नागी यज्ञाशास्यवदनीः नमा

मिः गरुडासनीः क्षमपूर्व वन्दाम्यहं ॥ ४ ॥ ॐ नवाना हि नकव न्हु कानवीजयम क्षु या ए

कौवकाउत लकपात हैय [illegible] नागक्षेनीः कातानीलशान्ति वनपाका ॐ ह्रीं गीं ह्रूं हूं ए

कास्वकः ॐ पानाय ह्रूं हूं स्वाहा ॥ ॥ ॐ पालस्य ॥ ॥ ॐ नवानाहि लनयाक उखनत २

श्रीं घ्रं ह्रूं हूं स्वाहा ॥ ॥ आवाहनमन्त्र ॥ ॥ ॐ ह्रूं ह्रूं हूं वानाक्ष नमस्वाहा ॥ ॥ [illegible]मन्त्र ॥ ॥ ए

ॐ ह्रूं वीजयः वज्रस्वाहा ॥ ॥ हैन वद्य ॥ ॥ क्षमपूर्व वर्लउ क्षिया वा नाहि नकर्व ह्रूं ला ॥ मि

नाक्रूसत धनाग्रुली घूर्घान कौनाक्ष्म नमामि महिषासनी ॥ ७ ॥ रुद्रचण्ड्ये ह्रीं दायनि ह्रीं ह्रीं म
वर्ज्रू यकात विजृगीं वहनऊ बरनाधिपति ॥ हूं हूं हे नकणीन वरिमनस्या स्वाहा ॥ ह्रीं काटकेक्ष्म
मा ॥ ॐ ऋं ग्लौं हूं हुः श्री वाचा नमो वीर्य्य वीनासाय हूं हूं स्वाहा ॥ ॥ ...पालस्य ॥ ॥ ॐ यम हृद्रि
श्रुन नार्के जूवकुन रसिंहं हूं हूं स्वाहा ॥ ॥ आवाहन मंत्र ॥ ॥ ॐ हें हूं हूं हूं ... नमः स्वाहा ॥
...मंत्र ॥ ॥ ॐ हें धानवज्र स्वाहा ॥ हूं नवस्य ॥ ॥ अथ पूर्वविन ... ह्रीं श्री ये ह्रीं ह्रीं मानिक्षु
वर्ज्जह्रफ्री गुनग्र नीः सहृय वदनाः सौम्यौः नमामि गर्जवाहनी ॥ ७ ॥ बोधय घ वाम्रमुख स्वर्ग
यकात वजेश्री दवीकाध्रुजत संहान वनर्क्रू वायूरडहूं वत वीजः वाग्रु किनाल्म ... नक्तीसिद्ध

न र थ्थ्रुसम्यष्ट्, मध्याष्ट्र, सानउ्ठव: कगनासा: यह्लमिनाकिता॥ यि हवसानि: नथ्थ्र उ्ठन थ्थ्रष्ठ: व
तवनष्ट्, महापथ्थष्ट्, महासप्तसा यष्ट्र, महावनष्ट्, सिद्दिन ञुञाष्ट्र॥ बिनाउ्ठयव, वसनि: धानावस्म
हानविष्ठ: द्विपष्ट्, द्वि याव: कनानयाव: मनस्मस्वा स्वष्ट्र॥ वसं छियव ह्रकाउसानास्या॥ गर्ये धमा
स्या॥ छ्रुपंवती: द्विपंवत्ति: विधिव: हया: म्ह कउ: हेगउ: वद र्ह्रूं चंश्री: कर्म्मसक नहर्ग्न कुः॥ र्ह्रूं॥
ञावृवी: महाथवस्यं: थे: र्ह्रूं मंवत्ति म्ह कउम्थ विस्यषष्ट्ठ: प्शाच्चयमानेञ्जहेम्ह दपतिव: ञ्जायपपति
वायूः धना धिपात्नि: थ्व॥ र्ह्रूं भय त्वना॥ क्षिपतिव: दवास: उर्द्धवन्त्राकी: पितामहस्व॥ देवासमना:
हमियन्नाम: थ्वाधाम्हक्षागनयसस्नमनाम्पतिपतिलक निवदवनि: हकसकाव॥ दिम्हवनाम्हका

मू ग स्र्ववि नासे ग्या, ग्म किव, पू छिव, कू र्बकु नि ग्न ॥ धू पव ति ॥ मूस्य व ति, नेवेघ्य व, धना द्विप नि
वेव म नाग स्रा ॥ लिग जिडा न्तु ॥ ॐ देव कर्म्म ॥ सन्त्र रंरी न्तु ॥ उका हु ऊं, स्मस्वा न वा श पुर्व र्ल्ल्कि का न द
स्य र्, ग म म पा ग्ष घु थ्य ऊ उं ॥ गु ग्या ग्म नवी सु घट, ताऊ न थ न गा ग्य तेम्या, मा न ग्म ना वि स्र्य म न,
स्मक्षू ते स्र्क म ल न म्रू ॥ समा सिन, कू कू कना ल्लि छि न जा दि नि, वी ना यक स्वा म्ह द्वि घा नी लि छि,
उमा ग्ध वा उ स ल्वा ऊ या व, वी ऊ या वे व, भ्रू जि ना भ्रू प्र ना जि न, लक्का नी म हा का ना नी, थु ना का नी
नी ना यि, ॐ क्रि, व द्वि धा नी हू छि न व का न्कि न स्य स्व नि, स्वि वा जि दि नि वा ष न्या ॥ ग्म मा व थि न
जा यि, धा न सूपा, न छू न्पा का पा नि नि ॥ क न नी ग्या य ॥ स्व लां ग्म य म ह द्वि का, स्व ऊँ ला, व ऊ ल का

ॐ दंउ ड्डि ष्ठ बस्यावन ॥ सांर्कि कूनू स्वाहा ॥ ॥ पंक्ष पुरुा नफूजा ॥ उह्नि ॥ साज्ञा हतिनु
कोश्व बनू ल्क्ष्मी नीा हनपावीक कश्वाद्यीपर्व नानवीगं गषनाउ क्षीनु लुलुहिया ननावेदमं
दिर्गयनिसहदिपनि मालयाजाट्ठ ष्ठ यमानानाश्या ॥ की ष्मस्यनि ॥ किनयनु गगाला वी ष्ठापुम
कृष्ठ ॥ ॥ वसिव ॥ कपुम्उना ॥ ष्ठागहाय क्ष ॥ दन्उ वतिनीया ॥ नीषफॅनष्ठाया ॥ नीसायम
हुडी ॥ श्यास कया ष्मसउँ बायावा न ज्ञायगसासधिन थिनः उकाउका नतप्रयायत्सुनि
उष्ठीर्कि वतिमास ॥ यङ्क्षदिमाह्काबति ध्वरु नाभफक्षु नजायाथरूना ॥ कार्ष्युयाय विद्धि
ष्वा ॥ वाहानः हा कक्ष्मःरु यिःमदनसाःष्वाकम्ननिष्ठहे ॥ ॥ ॥ उँनमषगीङ र बम

समाप्त र्मन्तुनः दिग्र नी॥ॐ ह्रूं ह्रूं स्वाहा॥ जाय॥ स्रू स्रीपियप्रजामाना॥ पूर्वद्व भ्रासनि पिता॥ ॥
स्रूकानवी ऊ॥ मेक्षपीनः स्रूसिषिगरे नवः नागझेगनः बऊः मलापभ्रनागः वत्तिशषिवी क्रूपः
लाका॥ ॐ क्रीं ग्रीं ह्रूं रः स्रूयागस्य भावी ग्रासायह्रूं रदरः स्वाहा॥ ॥ ह्रूतमन्तु॥ ॥ ॐ नानपतियन
मस्वाहाः वीनायकस्थिः ॐ साकनायःपुजुक्षायः पीनमस्वाहा॥ ॥ कमानस्य॥ ॥ ॐ मलाकान
यनमस्वाहा॥ ॥ मलीकानसी॥ ॥ ॐ स्राउक्षनामउक्षनाकत्रूवुनरुगश्रीग्री रहूं रदरः स्वाहा॥ ॥ र
गद्याबाहनमन्तु॥ ॥ ॐ उक्षनानमस्वाहा॥ ॥ पुजामन्तु॥ ॥ ॐ ह्रूवजनःस्वाहा॥ ॥ रतन
स्वा॥ ॥ ॐ क्रीं नजिःम्कनसकागः पनत्रमल्यावहरुजर्ध्विवीरूपाजा॥ ऊतपानमवहरद ठंनस्रीत

ध न्त न थ्या।। पं ह्रीं डाकिनी महानते सर्व्वकाम्मसाधकं। आगमं गुह्ये महानागि वज्रेश्व निष्ठा स्वास्त्र
वाहन।। ।।ॐ क क कं धनः व व वं धनः ख ख खं दनः घ घ घा।।य र युनपति जजमानस्य।।स्यना
रत क्षपालाकामनार्थं। सानिपक्षिक्त्र महावलिपति ठ स्वाहा।। ।।ॐ नमो श्री ष्क्ष्म पूजी
काय नातव र्ने सकास। खड्ग ९८ को विक्कं मन्त्र पिमहायनी।। ॐ य्रवं नमः स्वाहा।। ।।ॐ वी
धुम्र्व नाय विनायः वीश्व रूपाय स्नमा।। सर्व्व विघ्न रूद्र यं ध्व व भ गनपति नमः स्वाहा।। ।।ॐ ब्रह्माय
नीहंसमारूढ्या यिनाय्वपास्ल।। कौसिनि पूस्काओ वीहूम्म ज्ञा वज्र क्षयनी नमोस्तुते।। ।।ॐ मा
स्कन्द्व नीहूषा रूढास गियस्लास निजी ग्वस्त ओ विन्मूज्ञा वनूङ्ग यनी नमोस्तुते।। ।।ॐ कौमारी

मयूनानूक्षानकाानकपासनीसंस्याजा नूदं:ल्हावकामानिवनमोस्तु ते॥ ॥ॐ निष्कुवी
गाजमानूक्षाहृतिगरहवासनी॥ग ग्राउवीद्गल्हावथा॥ विष्णुविवनमोस्तु ते॥ ॥ॐ वानाहिम
हिरवानूल्हानकाग्रिधानर्कमाना॥उविद्गल्हावथा॥नूपावनमोस्तु ते॥ ॥ॐ ह्रीं ल्हायनि:
ग्रर्जिमानूक्षाहृमागिसवासिनी॥ ध्वजाउविविद्गूतावा॥ ह्रीं ल्हायनीनमोस्तु ते॥ ॥ॐ वाल्हा
पुनमानूक्षानकाग्रि:शुकनरूपिनी॥ दमङ्गंसवलागा॥ हृत्कार्विशविद्गूल्हस्तुक्ष्ठी नमस्तु ते॥ ॥
ॐ महानक्षीरासिंहासनी॥शुनाउ:वीद्गूल्हदाक्षी:हूनवर्द्गूतीनजाव महालक्ष्मी नमस्तु ते॥ ॥
ॐ ज्नूछ्छजा:हिनाधवी:ज्नूछ्छ्जानगासिनी॥ ॐ ज्नूछ्छजाहिनाधवी:ज्नूछ्छ्जानगासिनि